बेहद के वैरागियों की निशानियां

1. बेहद के वैरागियों की स्थिति उपराम, न्यारी-प्यारी होगी।
2. वे अंतर्मुखी व मौन की अवस्था में रहेंगे।
3. व्यर्थ चिन्तन, परचिन्तन व विकारों से नफरत होगी ।
4. परमधाम घर जाने की स्मृति में रहेंगे।
5. देह से न्यारे होने की प्रैक्टिस सहज होती जाएगी।
6. देह के संबंधों से नष्टोमोहा, ममत्वमुक्त होंगे।
7. व्यक्ति, वस्तु, वैभव के आकर्षण से मुक्त होंगे।
8. सहजयोगी, कर्मयोगी स्थिति में रहेंगे।
9. उन्हें पुराना संसार असार, अर्थहीन लगेगा।
10. वे सदैव बेहद की सन्यासी वृत्ति में रहेंगे।
11. ईश्वरीय ज्ञान के मनन-चिन्तन में मगन रहेंगे।
12. वे किसी भी लगाव की जंजीर में नहीं जकड़ेंगे।
13. उनकी पवित्रता की धारणा बहुत अच्छी होगी।
14. पुराने आसुरी संस्कारों से मुक्त होते जाएंगे।
15. दैवी गुणों से सजे सजाये, धारणामूर्त होंगे।
16. देह-अभिमान की बदबू से मुक्त होंगे।
17. निरंहकारी होकर संबंध-सम्पर्क में आएंगे।
18. उनमें चीजों की संग्रहवृत्ति नहीं होगी।
19. उनमें खाने-पीने, पहनने, घूमने-फिरने की आसक्ति नहीं होगी।
20. वे सदैव मौलाई मस्ती, अतिन्द्रिय सुख में रहेंगे।
21. वे विश्वकल्याण की सेवा में सदैव तत्पर रहेंगे।
22. साधनों, सुख-सुविधाओं की चकाचौंध में नहीं फंसेंगे।
23. वे एकाग्रचित होकर सदैव साधना में रत रहेंगे।
24. उन्हें छी:-छी: पुरानी दुनिया मरी हुई भासेगी।
25. उनकी आंखों में सदैव बापदादा, घर, सुखधाम रहेगा।
26. उनका ज्ञान का तीसरा नेत्र सदैव खुला रहेगा।
27. उनके स्वभाव-संस्कार में श्रीमत रच-बस जायेगी।
28. उनका पुरुषार्थ उड़ती कला का होगा।
29. वे दिलखुश होंगे, कभी दिलशिकस्त नहीं होंगे।
30. हर परिस्थिति में अचल-अडोल रहेंगे।
31. वे धैर्यवान, गुणग्राहक वृत्ति, स्वमान में रहेंगे।
32. वे समर्पण बुद्धि, ट्रस्टी होकर रहेंगे।
33. वे सर्व सम्बन्धों का रस एक बाप से अनुभव करेंगे।
34. उनकी बुद्धि में परमात्म ज्ञान की सरिता बहती रहेगी।
35. उनके बोल सत्य, मधुर, सुखदायी होंगे, समय को बर्बाद नहीं करेंगे।

ओम् शान्ति